भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. +182
सोमवार, 29 नवम्बर, 2021/8 अग्रहायण, 1943 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

ओडिशा में पर्यटन स्थलों की पहचान

+182. **श्री रमेश चन्द्र माझी:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान सरकार द्वारा उड़ीसा के नबरंगपुर मलकानगिरि और कोरापुर जिलों के कितने पर्यटन स्थलों की पहचान की गई है;

(ख) सरकार द्वारा उक्त पर्यटन स्थलों के विकास के लिए कितनी निधि आवंटित की गई है;

(ग) यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री जी. किशन रेड्डी)**

(क) से (ग): पिछले पांच वित्तीय वर्षों में ओडिशा के नबरंगपुर, मलकानगिरि और कोरापुट जिलों के लिए कोई परियोजना स्वीकृत नहीं की गई है।

पर्यटन मंत्रालय ने ओडिशा राज्य में स्वदेश दर्शन, प्रसाद और केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजनाओं के तहत क्रमशः निम्नलिखित परियोजनाओं को मंजूरी दी है:-

i. तटीय सर्किट थीम के तहत राशि 70.82 करोड़ रुपये की राशि से गोपालपुर, बरकुल, सतपाड़ा और टंपारा का विकास।
ii. मेगा परिपथ के तहत 50.00 करोड़ रुपये की राशि से पुरी मे जगन्नाथ धाम-रमाचंडी-देउली में प्राची नदी फ्रंट की अवसंरचना का विकास।
iii. रेल मंत्रालय के सहयोग से 6.15 करोड़ रुपये की राशि से पुरी रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास।

(घ): राज्य सरकार से प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद स्वदेश दर्शन और प्रसाद के तहत परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। योजना दिशानिर्देशों के अनुसार बाद में इनका मूल्यांकन किया जाता है।

****